पंडित दीनदयाल उपाध्याय वृहद् पशुआरोग्य शिविर/मेला, बहेड़ी में कृषि विज्ञान केन्द्र की भागीदारी

आज दिनांक 22.03.21 को बहेड़ी के रामलीला मैदान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि श्री छत्रपाल सिंह, विधायक (बहेड़ी), कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. डी.सी. वर्मा, विधायक (मीरगंज), डॉ. ललित कुमार वर्मा, मुख्य पशु-चिकित्सा अधिकारी बरेली, डॉ जीवन दत्त, अपर निदेशक, ग्रेड-II, पशुपालन (बरेली मंडल) तथा उप-जिलाधिकरी बहेड़ी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय विधायक बहेड़ी विधान सभा क्षेत्र, श्री छत्रपाल सिंह ने कृषकों / पशुपालकों को बधाई दी तथा पशुधन के महत्व के बारे में चर्चा करते हुये इसके स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. डी.सी. वर्मा ने पशुओं की नस्ल सुधारने हेतु कृत्रिम गर्भाधान के महत्व के बारे में विस्तार से चर्चा की तथा नस्ल सुधार कर उत्तम गुणवत्ता के पशु पालकर अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए कृषकों को प्रेरित किया। डॉ. ललित कुमार वर्मा, मुख्य पशु-चिकित्सा अधिकारी ने केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा पशु-पालकों हेतु चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान तथा पशुपालकों को इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए आगे आने की सलाह दी। डॉ जीवन दत्त, अपर निदेशक, ग्रेड-II, पशुपालन (बरेली मंडल) ने पशुओं में होने वाली बीमारियों तथा उनके निदान के बारे में पशुपालकों को जानकारी दी। इस प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान केन्द्र तथा भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसन्धान संस्थान ने अपना स्टॉल भी लगाया था जिसपर विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन किया गया तथा पशुपालकों को सलाह सेवा प्रदान की गई। स्टॉल में संस्थान के पशु अनुवांशिकी विभाग के डॉ ब्रजेश कुमार वैज्ञानिक ने पशु पालको को बांझपन एवं प्रजनन से संबन्धित समस्याओं के लिए सलाह प्रदान की। श्री दुर्गादुत्त शर्मा सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री वीरसिंह सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं विद्यार्थियों ने भी इस मेले में भाग लिया। मेले में पशु स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमे पशुओं की जाँच कर निशुल्क दवा वितरण किया गया। कार्यक्रम के समापन समारोह के अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र और भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के स्टालों को उत्तम स्टाल के लिये पुरुस्कृत किया गया। इस मेले में तीन हजार पाँच सौ से ज्यादा किसानो ने प्रतिभाग किया।

ICAR-INDIAN VETERINARY RESEARCH INSTITUTE
LIVESTOCK FEEDING AND OTHER TECHNOLOGIES